जिस पेड़ पर लड़का बैठा था , वहाँ की जमीन कुछ नीची थी । उसे ख्याल आया कि अगर वे लोग मुझे देख भी लें तो उनको यह कैसे मालूम होगा कि इसके नीचे तीन दिन का भूखा शेर बैठा हुआ है । अगर मैं उन्हें होशियार न कर दूँ तो यह दुष्ट किसी-न-किसी को जरूर चट कर जाएगा । यह सोचकर वह पूरी ताकत से चिल्लाने लगा । उसकी आवाज सुनते ही वे लोग रुक गये और अपनी-अपनी बन्दूकें सम्हालकर उसकी तरफ ताकने लगे । लड़के ने चिल्ला कर कहा-होशियार रहो होशियार रहो इस पेड़ के नीचे एक शेर बैठा हुआ है शेर का नाम सुनते ही वे लोग सँभल गये , चटपट बन्दूकों में गोलियाँ भरी और चौकन्ने होकर आगे बढ़ने लगे ।

शेर को क्या ख़बर कि नीचे क्या हो रहा है । वह तो अपने शिकार की ताक में घात लगाये बैठा था । यकायक पैरों की आहट पाते ही वह चौंक उठा और उन चारों आदमियों को एक टोले की आड़ में देखा ।